

Living the Lotus

5
2022

VOL. 200

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्कयो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 200 (May 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjikhorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rishso Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

एक सरल “धन्यवाद”

रेवरेन्ट निक्कयो निवानो

यदि आप “हाँ!” में उत्तर देते हैं और आसानी से, कभी भी, कहीं भी “धन्यवाद” कहते हैं, तो मुझे लगता है कि आप पुण्डरीक सूत्र के अभ्यास करनेवाले के वर्ग में आते हैं।

यदि आप हमेशा मुस्कुराना और हसमुख आवाज में स्पष्ट रूप से जवाब देना याद रखते हैं, तो यह आपके मनमस्तिष्क को पूरी तरह से बदल देगा। ऐसी मानसिकता एक पतवार की तरह काम करती है, जो लोगों को अधिक से अधिक खुशी की दिशा में ले जाती है।

पुण्डरीक सूत्र हमें दिखाता है कि संसार में घटनेवाली चीजों में से कुछ सबसे महत्वपूर्ण है, ऐसी चीजें क्यों होती हैं, और क्यों उन घटनाओं को स्वीकार करना दर्द देता है, कैसे इनको मूल रूप से स्वीकारना चाहिए। यह हमें यह भी सिखाता है कि उन चीजों को कैसे दूसरों से कहा जाए और कैसे एक प्रामाणिक मानव जीवन जिया जाए।

जब आप अभ्यास के चमत्कारिक मार्ग के लिए अत्यधिक कृतज्ञता महसूस करने लगते हैं, जो आपको सिखाया गया है, और अब आप हर दिन का आनंद लेते हैं, तो मुझे लगता है कि यह कहना सुरक्षित है कि आप बुद्ध बन गए हैं।

एक व्यक्ति ने एक बार मुझसे कहा था, “जिसे खुशी मिली, उसे ‘धन्यवाद’ कहने में सक्षम होना चाहिए।” मन जो कृतज्ञता महसूस कर सकता है वह जीवन का सबसे बड़ा खजाना है।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 194-195

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

सहनशीलता “चीजों को सहना” नहीं है— सहनशीलता, भाग 1

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ



हमारे मन में सहनशीलता की शक्ति है

जब कुछ मुश्किल या अप्रिय घटना है, तो हम उसे देखना नहीं चाहते हैं या उससे दूर भागना चाहते हैं, लेकिन हम हमेशा उन लोगों और कठिनाइयों से बच नहीं सकते हैं जिनका हमें सामना होता है।

1991 में मुझे रिश्शो कोसेइ काइ का प्रेसिडेण्ट नियुक्त किया गया। अगले वर्ष से पूरे जापान में सदस्यों के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाने के लिए “रिश्तेदारों से मिलने” का कार्यक्रम दस वर्षों तक चला। मैंने रिश्शो कोसेइ काइ परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए विदेश के धर्म केंद्रों की भी यात्रा की। एक समय मैं एक बड़े मंच पर करीब 10,000 लोगों के सामने बोलने के लिए अकेला ही रह गया था। सार्वजनिक भाषण देने से परहेज करनेवाले व्यक्ति के रूप में, यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था और मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं भाग जाऊँ। ऐसे ही कुछ क्षण अधिक थे, मैं सचेत हुआ।

हालाँकि, जैसे-जैसे मैं बड़ा होता जाता हूँ और चीजों को पीछे मुड़कर देखता हूँ, मैं पाता हूँ कि उस समय जिन अनुभवों को पाना मुश्किल समझता था, वे ही मुझे वह बना दिया जो मैं अब हूँ। यह घृणा से उपायकौशल्य में परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह अहसास है कि जैसे-जैसे वर्ष बीतते गए, मैंने अपने छोटे दिनों में चीजों के प्रति जो मेरी सोच थी और उसे स्वीकार करने का तरीका था, उनकी एक श्रृंखला के रूप में जिसे मुझे झेलना और सहना पड़ा है।

जब हम दृष्टिकोण में परिवर्तन लाते हैं, हमारे मन में उन चीजों को सहन करने और स्वीकार करने की शक्ति आ जाती है, जो, कठिन और असहनीय होती हैं, जो हमें क्रोध दिलाता हैं - और यहाँ तक कि उन्हें बरदाश्त करने के लिए किसी के सहारे की आवश्यकता होती है।

“यह सूत्र...जो क्रोधित है उसे सहनशीलता का आकांक्षी बना सकता है, जैसाकि” अमितार्थ सूत्र में लिखा है। यह वाक्यांश हमें सिखाता है कि जिन लोगों ने बुद्ध की देशना को सीखा है, उनका एक गुण यह है कि उनका मन सहनशील होता है और जो तीव्र क्रोध या घृणा जैसी भावनाओं के आने पर भी सहनशील बना रह सकता है। इस वाक्यांश में जो मुझे महत्वपूर्ण लगता है, वह है “किसी को आकांक्षी बनाता है।” यह देशना हमें अपने क्रोध की

भावनाओं को दबाने या चीजों को सहने के लिए मजबूर नहीं करती है। बल्कि, यह हमें दिखाता है कि हमारी बुद्ध प्रकृति की दृढ़ता सहज ही सहनशीलता की भावनाओं को जन्म देती है। इसलिए मैं इस वाक्यांश से मुक्त महसूस करता हूँ, “एक आकांक्षा करता हूँ” किसी भी तरह से सहनशीलता हमें चीजों को सहन करना सिखाती है।

जैसा कि कहावत में है, “भ्रम और सजगता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं,” आपका मन जो किसी की कसम खाता है और एक कठिन परिस्थिति का विरोध करता है, दूसरी ओर अपने बुद्ध स्वभाव को बुलाता है। ऐसे समय में, हमारे पास सबसे कठिन परिस्थिति को भी सकारात्मक रूप से स्वीकार करने और उससे निपटने के लिए सहनशीलता की शक्ति होती है, क्योंकि बुद्ध ने हमें अपनी स्वीकृति की मुहर दी है - और यह कुछ विस्मयकारी है, जिसके लिए हमें आभारी होना चाहिए।

स्वीकारना सहनशीलता की ओर ले जाती है

किसी ने लिखा है कि सहनशीलता “स्वीकार करना और स्वीकार करने के आधार पर निर्भर करती है,” और यह निश्चित रूप से सच है। चाहे हम लोगों के प्रति अपने क्रोध और घृणा पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हों या अपने परिवेश और परिस्थितियों के प्रति घृणा और नापसंद की अपनी भावनाओं को दूर करने की कोशिश कर रहे हों, हमें सबसे पहले अपने सामने उस व्यक्ति या घटना को स्वीकार करना चाहिए, जो सहज ही सामने उपस्थित होता है।

पुण्डरीक सूत्र हमें बताता है कि बोधिसत्व सदापरिभूत ने सभी के प्रति सम्मान प्रकट किया, यह कहते हुए कि “मैंने आपको कभी भी सम्मान के अयोग्य नहीं पाया। आप सभी बुद्ध बनोगे।” और यद्यपि उन लोगों ने उन्हें अपशब्द कहा। बोधिसत्व सदापरिभूत ने सब सहन किया। इस परिच्छेद में देखी गई सहनशक्ति को अन्य लोगों के बुद्ध स्वभाव के प्रति श्रद्धा और उनके व्यक्तित्व को स्वीकार करने का मन है, जो मुझे लगता है कि पुण्डरीक सूत्र का एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

अपनी स्थिति को माने और स्वीकार करें। इससे आपको आराम मिलेगा। जब हम सोचते हैं कि हमें कुछ सहन करना पड़ रहा है, तो यह कठिन हो जाता है, परन्तु यदि हम स्थिति को स्वीकार कर लेते हैं कि ऐसा क्यों हुआ, तो हमारी कमी, असंतोष, क्रोध और घृणा की भावनाएँ कम हो जाती हैं, और हमारे विचार कठिन और असहनीय नहीं रह जाते हैं। प्रिंस शोतोकु (574-622) ने सत्रह-अनुच्छेद संविधान में लिखा है, “क्रोधित नहीं हों, क्योंकि दूसरे आप से अलग सोचते हैं। आप और अन्य सभी सामान्य व्यक्ति हैं और आप दोनों के पास ज्ञान और मूर्खता है।” दरअसल, जब दोनों पक्ष स्वीकार करते हैं कि उनके पास ज्ञान और मूर्खता है, तो उनका क्रोध स्वाभाविक रूप से कम हो जायेगा।

जबकि कुछ मामलों में यह तुरंत हो सकता है, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, सहनशीलता का फल केवल समय बीतने और कई अनुभवों के संचय के साथ ही महसूस किया जा सकता है। सहनशीलता बोधिसत्व का एक परिश्रमी अभ्यास है, मुझे लगता है कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि करुणा से प्रभावित कार्य के रूप में सहनशीलता दूसरों को लाभ पहुँचाने में एक पहलू है।

From Kosei, May 2022.

कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

संस्थापक का जीवन और रिश्शो कोसेइ काइ का इतिहास

प्रेसिडेण्ट की शिक्षा

प्रेसिडेण्ट तीन अभ्यासों को बढ़ावा देते हैं, जिनका कोई भी किसी समय कहीं भी अभ्यास करे:

1. हम प्रातः की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करें।
2. जब हमसे बात की जाती है तो हम स्पष्ट और सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं।
3. मेज से उठते ही, कुर्सी को आग ढकेल दें और जूते उतारकर करीने से रखें।

अब घर और स्कूल में इनको आज से अभ्यास में लायें, आप अवश्य तरोताजा अनुभव करेंगे।



☀ क्या तुम्हें पता है?

“तीन अभ्यास” तीन सूत्री अनुशासन सिद्धांतों से निकला है, जिसकी वकालत एक दार्शनिक और शिक्षक श्री नोबुजो मोरी ने की थी। कहा जाता है कि उन्होंने जापान की युद्ध के बाद की शिक्षा पर बहुत प्रभाव डाला।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।

रिश्शो कोसेइ काइ के नामित प्रेसिडेंट कोशो निवानो



कोशो निवानो का जन्म 1968 में टोक्यो के सुगिनामी वार्ड में प्रेसिडेंट की सबसे बड़ी पुत्री के रूप में हुआ था। विश्वविद्यालय से स्नातक होने के बाद, उन्होंने गाकुरिन सेमिनरी में प्रवेश किया, जिसे 1964 में संस्थापक द्वारा स्थापित किया गया था, ताकि मानव संसाधन विकसित हो सकें जो दूसरों के लाभ के लिए काम करता रहे। वहाँ, उसने बौद्ध धर्म सहित धार्मिक अध्ययन सीखा। वह रिश्शो कोसेइ काइ के सिद्धांतों और एक बौद्ध संगठन के रूप में उसे जो भूमिकाएँ निभानी चाहिए, उसका भी अध्ययन करती हैं। नामित प्रेसिडेंट के रूप में उन्होंने ग्रेट सेक्रेड हॉल में समारोहों के दौरान प्रमुख सूत्र का पाठ करती और संगठन की नियमित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्वयं को समर्पित किया है।

वह घर में एक प्यारी पत्नी और चार बच्चों की माँ है।

उनकी खिलखिलाती मुस्कान और मिलनसार व्यक्तित्व सदस्यों को बहुत पसंद आता है।

क्या तुम्हें पता है?

रेव. कोशो निवानो ने 1995 में श्री मुनेहिरो यामादा से शादी की। पूरे जापान के धर्म केंद्रों से करीब 9,000 सदस्य उनके विवाह समारोह के उत्सव में ग्रेट सेक्रेड हॉल में इकट्ठे हुए थे।



Director's Column

सहनशीलता का मन

रेवरेन्ट केइइची आकागावा

निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इंटरनेशनल

मई आ गया है। हर तरफ नयी हरी पत्तियाँ चमक रही हैं। इस महीने के लिए प्रेसिडेंट का संदेश छह पारमिताओं में से एक “सहनशीलता” पर केंद्रित है, जो सीखने का एक उपयुक्त विषय है, क्योंकि हम लंबे समय तक कोविड-19 आपदा से जूझते रहे हैं।

संदेश का शीर्षक, “सहनशीलता चीजों के साथ नहीं आती है,” अर्थ से भरा है और मुझे लगता है कि यह प्रेसिडेंट निवानो के गहरे इरादे को दर्शाता है। इसलिए मैंने समेकित त्रिविध पुण्डरीकसूत्र (शिंशाकु होक्के सांक्यो) में संस्थापक निक्क्यो निवानो की आधुनिक व्याख्या में एक बार फिर सहनशीलता के अर्थ की खोज की है। इसमें कहा गया है कि सहनशीलता का अर्थ “हमें मानसिक और शारीरिक नुकसान का सामना करने में उदारता का भाव और समभाव बनाए रखना है, साथ ही स्वयं को अभिमान में चूर नहीं रखना है, चाहे हम कितने भी सम्मानित हों या दूसरों के द्वारा हमारे साथ कितना अच्छा व्यवहार किया जाता है।”

अपने संदेश में, प्रेसिडेंट निवानो ने स्वयं के अनुभव का परिचय दिया है, जो समय बीतने के साथ ही उनके पास सकारात्मक रूप से स्वीकार करने और उन चीजों से निपटने के लिए सहनशीलता का भाव आ गया है, जिसे उन्होंने मूल रूप से प्रेसिडेंट बनने के तुरंत बाद की समस्याओं की श्रृंखला के सफल निष्पादन के रूप में मिला था। जैसे-जैसे धर्म का अध्ययन और अभ्यास आगे बढ़ेगा, व्यक्ति के पास ऐसा मनोभाव उत्पन्न होगा, जो वास्तविक जीवन में अनुभव किए गए दुःख को स्वीकार करता है, और साथ ही दुःख को स्वीकार करने से मन की शांति प्राप्त होगी। धर्म की यही खूबी है कि हम सभी, केवल प्रेसिडेंट निवानो ही नहीं, इसका स्वाद लेना चाहते हैं।

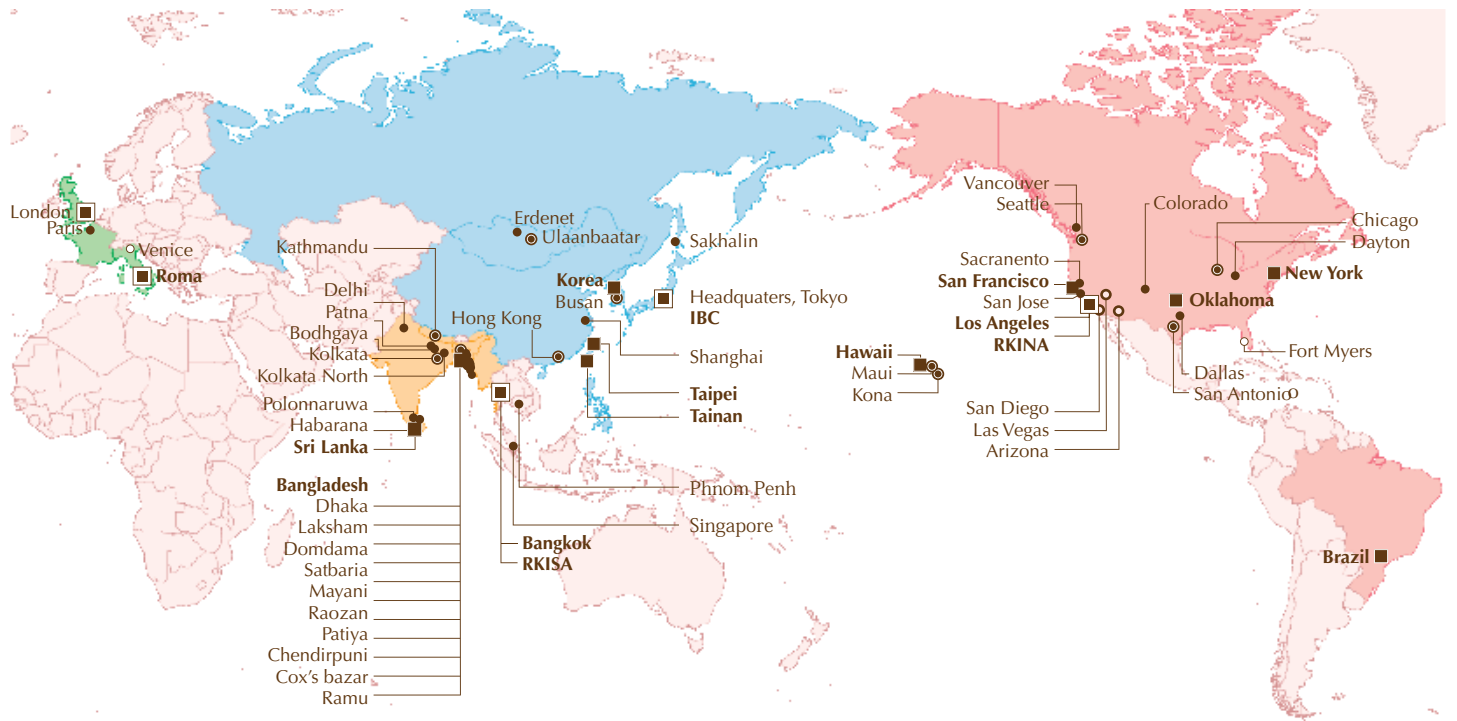
अनेक प्रकार के दुःख दर्द से भरे संसार में, हम कह सकते हैं कि आज सहनशीलता का ज्ञान प्राप्त करने का सही समय हो सकता है।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp



Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org/>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部**Korean Rissho Kosei-kai of Busan**

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan

台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhil****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroov-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: https://www.rkuk.org
Facebook: https://www.facebook.com/rkuk.official
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: http://www.ibt-rk.org